केंद्र सरकार की यह योजना देश के 30 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में इस वर्ष से लागू होगी

एससी छात्रों को यूपीएससी की फ्री कोचिंग देगा सीयूजे

अच्छी खबर

श्रेयसी मिश्रा

रांची। केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) राज्य के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवा के लिए तैयार करेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में डॉ आंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डेस) की स्थापना की जा रही है। इसके माध्यम से राज्यभर से चयनित अनुसूचित जाति के युवाओं को यूपीएससी प्रिलिम्स और मुख्य परीक्षा की निःशुल्क कोचिंग मिलेगी। केंद्र सरकार की यह योजना देश के 30 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में इस वर्ष से लागू हो रही है, जिसमें सीयूजे भी शामिल है।

विश्वविद्यालय इसके के लिए 2 कक्षाएं निर्धारित करेगा। ये कक्षाएं स्मार्ट बोर्ड, हाई स्पीड वाई-फाई और नवीनतम इंटरनेट तकनीक से लैस होंगी, ताकि कक्षाएं हाइब्रिड मोड में आयोजित की जा सकें। डेस सलाहकार बोर्ड के सदस्यों और स्टाफ सदस्यों के लिए वाई-फाई सुविधा के साथ दो कमरों वाला एक अलग सेटअप होगा। प्रो देवव्रत सिंह इसके नोडल अधिकारी बनाए गए हैं। इसके अलावा एक कार्यक्रम समन्वयक, एक लेखा-सह-प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन से), एक कंप्यूटर ऑपरेटर, एक अटेंडेंट एक हाउसकीपर की नियुक्ति व चार सदस्यीय सलाहकार बोर्ड का गठन किया जाना है।

100 अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों का किया जाएगा राज्यभर से चयन

02 स्मार्ट कक्षाओं का आयोजन करेगा विश्वविद्यालय इसके लिए

अनुसूचित जाति के युवाओं में प्रशासनिक क्षमतावर्द्धन के उद्देश्य से आंबेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जा रही है। हमारा लक्ष्य राज्य के अनुसूचित जाति के अधिक से अधिक युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं के लिए तैयार करना है।

– प्रो क्षिति भूषण दास, कुलपति सीयूजे

100 एससी विद्यार्थी चुने जाएंगे: सीयूजे के डीन अकादमिक प्रो मनोज कुमार ने बताया कि डेस के लिए राज्यभर से अनुसूचित विद्यार्थियों का चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होगा। इसमें सौ सीटें होंगी, जिमनें 33 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होंगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से जल्द विज्ञापन जारी होगा और 30 जून तक आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। प्रवेश परीक्षा में 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे, जो सामान्य ज्ञान, भाषा कौशल, तर्क क्षमता और सामान्य योग्यता का परीक्षण, पर आधारित होंगे। चयनित अभ्यर्थी सिर्फ एक बार कोचिंग सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। अभ्यर्थी को किसी अन्य योजना के तहत सरकार से लाभ प्राप्त नहीं होना चाहिए। इस आशय का एक हलफनामा छात्र को प्रस्तुत करना होगा।

सफल उम्मीदवारों की सूची योग्यता के आधार पर बनाई जाएगी, जिसमें 33 प्रतिशत महिलाएं भी शामिल होंगी।ह्व सीयूजे में डेस के तहत- समाजशास्त्र, लोक प्रशासन, राजनीति विज्ञान आदि विषयों की कोचिंग प्रस्तावित है। इसमें विश्वविद्यालय के फैकल्टी के अलावा बाहरी प्रोफेशनल्स भी कोचिंग देंगे।